भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

17.07.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4080 का उत्तर

नीलाम्बुर-नांजनगुड रेल लाइन का निर्माण

4080. श्री थोमस चाज़िकाडनः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या बांदीपुर वन्य जीव-अभ्यारण्य रिजर्व को क्षति पहुंचाए बिना नीलाम्बुर-नांजनगुड रेल लाइन के निर्माण कार्य हेतु 2017 में सरकार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या सुरंग बोरिंग मशीन का उपयोग करके बांदीपुर वन्य जीव अभ्यारण्य से होकर गुजरने वाले 11 कि.मी. अंडरग्राउण्ड खंड का निर्माण किया जा सकता है जिससे समीपवर्ती क्षेत्रों पर कम से कम प्रभाव पड़ेगा;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या केरल सरकार द्वारा दिल्ली में मेट्रो रेल निगम को एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और यदि हां, तो इस संबंध में प्रगति, यदि कोई हो, का ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त रेल लाइन के पूरा होने के पश्चात् बैंगलोर और त्रिवेन्द्रम के बीच कितनी दूरी कम होगी; और

(ङ) इस प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है और सरकार द्वारा इसके शीघ्र निर्माण के लिए क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क): जी नहीं। निलाम्बूर-नंजनगुड नई लाइन के निर्माण कार्य को पूंजी निवेश कार्यक्रम 2016-17 में शामिल किया गया था।

mm

(ख) और (ग): नीलाम्बूर-नंजनगुड नई लाइन पर सुरंगों के निर्माण या अन्य कार्यों तथा बेंगलुरु-त्रिवेंद्रम के बीच की दूरी में कमी का आकलन करने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को केरल सरकार द्वारा सलाहकार के रूप में नियुक्त दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया है ।

(घ) और (ङ): इसी दौरान, केरल रेल विकास निगम लिमिटेड (केआरडीसीएल), जो केरल सरकार और रेल मंत्रालय की एक राज्य संयुक्त उद्यम कंपनी है, ने व्यवहार्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने के लिए इस परियोजना को चिह्नित किया है। केरल सरकार ने प्रस्तावित परियोजना की डीपीआर तैयार करने का कार्य केआरडीसीएल को सौंपा है।

****

mm